

हूँ, जिस बात को ठीक नहीं समझता हूँ उस को एलाऊ नहीं करता हूँ जिस को ठीक समझता हूँ उस को एलाऊ करता हूँ।

श्री मनीराम बागड़ी : तो इस में नाम लेने के कौन सी बात हो गई? अगर जिस एलाऊ मंत्र का किए हैं तो फिर दुलाने और नाम लेने का क्या फायदा है?

अध्यक्ष महोदय : यह तो आप करते हैं मैं तो नहीं करता हूँ।

... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : There is no idea there is no fun.

आप क्यों करवाते हैं मुझ में? आप यह तरीका मुझसे रोज क्यों करवाते हैं? इसलिए कि अत्रवार में नाम छप जाय?

... (व्यवधान) ...

श्री मनीराम बागड़ी : आप ने पहले यह कायदा बनाया था कि ऐजर्नमेंट मोशन वालों का नाम दे कर ...

अध्यक्ष महोदय : नहीं नहीं मैंने नहीं बनाया।

No, I did not make it. Not allowed.

मैं ऐसा करता हूँ जिस को बताना चाहता हूँ जिस को मैं उचित समझता हूँ उसका ब्योरा देता हूँ जिसे मैं उचित नहीं समझता उसको नहीं देता। मेरे पास तो पचास आते हैं मैं किस किस के ब्योरे दूंगा?

... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : नहीं, ऐसी बात नहीं चलेगी।

... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : यह ऐसा है कि तीन दिन पहले तो एक बात बही।

... (व्यवधान) ...

MR. SPEAKER : No. Not allowed. Papers to be laid on the Table.

12.09 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

NOTIFICATION EXEMPTING PRINTING OF ADVERTISEMENT OR PROPAGANDA MATERIAL CALENDARS, DIARIES ETC. FROM OPERATION OF PAPER (CONSERVATION AND REGULATION OF USE) ORDER, 1974

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN) : On behalf of Shri Narayan Datt Tiwari, I beg to lay on the Table a copy of Notification No. S.O. 316 (E) (Hindi and English versions) published in Gazette of India dated the 23rd April, 1981 exempting the printing of advertisement of propaganda material calendar, diaries and invitation or greeting cards from the operation of the provisions of clause 3 of the Paper (Conservation and Regulation of Use) order, 1974, for a period upto and inclusive of 31st March, 1982, under sub-section (6) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955. [Placed in Library Sec. No. LT-2729/81]